हिन्दी प्रादेशिक समाचार

आकाशवाणी चंडीगढ़

(तिथि 19 मई 2025, समय 1305 (5 मिनट)

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कल महेंद्रगढ़ में 152 करोड़ 87 लाख 92 हजार रुपये लागत की 30 विकास परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया। इनमें 81 करोड़ 49 लाख 30 हजार रुपये की लागत की 15 परियोजनाओं का उद्घाटन तथा 71 करोड़ 38 लाख 62 हजार रुपये लागत की 15 परियोजनाओं का शिलान्यास शामिल है। इस अवसर पर जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा नलकूप कनेक्शन के लिए पैसे जमा करवाने वाले 1450 किसानों को अगले 3 महीने में कनेक्शन जारी किए जाएंगे। इसके अलावा, 2023 तक कनेक्शन के लिए आवेदन करने वाले किसानों के जल्द पैसे जमा करवाने पर उन्हें भी जल्द कनेक्शन जारी कर दिए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने महेंद्रगढ़ विधानसभा में एक नई अनाज मंडी बनाने की भी घोषणा की। उन्होंने कहा कि किसी भी गांव में जमीन उपलब्ध होने पर गौ-अभ्यारण्य बनाया जाएगा। साथ ही, गांव उस्मापुर, बारड़ा, खातौद या जड़वा में जमीन उपलब्ध करवाने पर पशु औषधालय और पशु चिकित्सालय बनाया जाएगा इसके अलावा, गांव डीगरोता के पशु औषधालय को 40 लाख रुपये की लागत से पशु चिकित्सालय में बदल जाएगा।

****

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के उत्सव के बीच, पूरा देश जवानों के शौर्य और साहस को नमन कर रहा है। आकाशवाणी समाचार भी सशस्त्र बलों के सम्मान में विशेष श्रृंखला प्रस्तुत कर रहा है। आज इस कड़ी में, हम परमवीर-चक्र विजेता मेजर रामास्वामी परमेश्वरन का स्मरण कर रहे हैं। उन्होंने श्रीलंका में ऑपरेशन पवन में सर्वोच्च बलिदान दिया था।

बम्बई में जन्मे मेजर रामास्वामी परमेश्वरन को जनवरी 1972 में महार रेजीमेंट में शॉर्ट सर्विस कमीशन मिला। भारत श्रीलंका समझौते के तहत कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए भारतीय सेना की कई टुकड़ियां श्रीलंका भेजी गई थी। मेजर परमेश्वरन उनकी यूनिट महार को भी ऑपरेशन पवन के लिए श्रीलंका भेजा गया था। 25 नवंबर 1987 को मेजर परमेश्वरन देर रात एक सर्च ऑपरेशन से अपनी टुकड़ी के साथ लौट रहे थे, अचानक उनके दस्ते पर उग्रवादियों की एक समूह ने घात लगाकर हमला कर दिया। बड़ी सूझबूझ से मेजर परमेश्वरन ने उन्हें पीछे से घेर लिया और साहसपूर्वक उन पर हमला कर दिया। हाथापाई के दौरान एक उग्रवादी में उनके सीने में गोली मार दी, अपनी गंभीर चोट के बावजूद मेजर परमेश्वरन ने राइफल छीन ली और उस उग्रवादी को मार गिराया। गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद उन्होंने आदेश देना जारी रखा और अपनी टीम को आखिरी सांस तक प्रेरित किया। इस कार्रवाई में पांच उग्रवादी मारे गए और तीन राइफलें और दो रॉकेट लांचर जप्त किए गए। मेजर रामास्वामी परमेश्वरन को अत्यंत विशिष्ट वीरता और सर्वोच्च बलिदान के लिए परमवीर चक्र से सम्मानित किया गया। राष्ट्र उन्हें नमन करता है। अनुपम मिश्र, आकाशवाणी समाचार, दिल्ली।

****

हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह ने कल गुरुग्राम के वाटिका सिटी क्षेत्र में 33 केवी के नवीन बिजली सब स्टेशन का उद्घाटन किया।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार प्रत्येक नागरिक को निर्बाध, विश्वसनीय और गुणवत्तापूर्ण बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने हेतु निरंतर प्रयासरत है।

कैबिनेट मंत्री ने इस दौरान पौधारोपण भी किया और कहा कि गुरुग्राम को स्वच्छ, हरित और पर्यावरण के अनुकूल बनाने की दिशा में गंभीर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि इस संदर्भ में विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक की है। जिसमें गुरुग्राम को पायलट परियोजना के तौर पर लेकर तीन माह में पॉलीथिन मुक्त शहर बनाने की दिशा में काम किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि गुरुग्राम को जाम मुक्त और सुगम यातायात व्यवस्था वाला शहर बनाने के लिए वर्ष 2025 में विभिन्न परियोजनाओं को धरातल पर लाया जाएगा और उनका त्वरित क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाएगा।

****

आकाशवाणी हिसार ने प्रसारण समय में बढ़ोतरी की है।

प्रसारण अब सुबह पांच बजकर 53 मिनट पर आरंभ होकर रात 11 बजकर, 10 मिनट तक जारी रहेगा। यह बदलाव आकाशवाणी महानिदेशालय नई दिल्ली से प्राप्त निर्देशों के अनुरूप किया गया है।

****

सिरसा लोकसभा क्षेत्र से सांसद कुमारी सैलजा ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को पत्र लिखकर फतेहाबाद जिले की सेमग्रस्त भूमि के स्थायी समाधान के लिए अनुरोध किया है।

मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में कुमारी सैलजा ने कहा है कि उनके लोकसभा क्षेत्र के फतेहाबाद जिले के अनेक गांवों जैसे बन मंदोरी, पीली मंदौरी, चुहिया, खाबड़ा, बड़ोपल, खाराखेड़ी, धनिया, चबला मोरी आदि की हजारों एकड़ भूमि वर्षों से सेम से ग्रस्त है। यह भूमि धीरे-धीरे कृषि योग्य स्थिति से बाहर होती जा रही है।

उन्होंने कहा है कि इन गांवों में स्थायी जल निकासी, भूमि सुधार एवं सौर ऊर्जा से सिंचाई की व्यापक योजना की तत्काल आवश्यकता है।

हालांकि हाल के वर्षों में सिंचाई विभाग द्वारा कुछ क्षेत्रों में सौर ऊर्जा से चलने वाले ट्यूबवेल लगाए गए हैं, परंतु यह प्रयास क्षेत्र की आवश्यकता की तुलना में अपर्याप्त है।

****